अभ्यास : प्रश्न तथा उनके उत्तर

प्रश्न 1. दिल्ली की स्थापना किस राजवंश के काल में हुई ?

उत्तर–दिल्ली की स्थापना 950 में तोमर राजवंश के काल में हुई । लेकिन 12वीं सदी में अजमेर के शासक चौहानों ने दिल्ली पर अधिकार कर लिया ।

प्रश्न 2. अलाउद्दीन खिलजी के समय किस गुलाम सेना नायक ने दक्षिण भारत पर विजय प्राप्त की थी ?

उत्तर–अलाउद्दीन खिलजी ने दक्षिण भारत में तुर्क राज्य के विस्तार के लिये अपने एक गुलाम मलिक काफूर के नेतृत्व में एक विशाल सेना भेजी । उसने देवगिरि, वारंगल, द्वारसमुद्र, मदुरई पर विजय प्राप्त कर दक्षिण के एक बड़े भाग पर सल्तनत राज्य के अधीन कर लिया । लेकिन खिलजी ने उन राज्यों पर अधिकार न कर उनसे सालाना कर देने के करार पर उनके राज्य लौटा दिये ।

प्रश्न 3. मूल्य नियंत्रण की नीति किस सुल्तान ने लागू की थी?

उत्तर–मूल्य नियंत्रण की नीति अलाउद्दीन खिलजी ने लागू की थी । इससे उसका उद्देश्य था कि किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य मिल सके और आम जनता से भी कोई अधिक मूल्य नहीं वसूल सके ।

प्रश्न 4. दिल्ली के किस सुल्तान ने नहरों का निर्माण करवाया था ?

उत्तर–दिल्ली के सुल्तान फिरोजशाह तुगलक ने नहरों का निर्माण करवाया था ।

प्रश्न 5. मिलान करें :

राजवंश		संस्थापक
(क) प्रारंभिक तुर्क वंश	(i)	खिज्र खाँ
(ख) खिलजी वंश	(ii)	गयासुद्दीन
(ग) तुगलक वंश	(iii)	बहलोल
(घ) सैयदवंश	(iv)	जलालुद्दीन
(ङ) लोदी वंश	(v)	कुतुबुद्दीन ऐबक
उत्तर–(क) प्रारंभिक तुर्क वंश	(i)	कुतुबुद्दीन ऐबक
(ख) खिलजी वंश	(ii)	जलालुद्दीन
(ग) तुगलक वंश	(iii)	गयासुद्दीन
(घ) सैयदवंश	(iv)	खिज्र खाँ
(ङ) लोदी वंश	(v)	बहलोल

■ **आइए समझें :**

प्रश्न 6. दिल्ली सल्तनत के प्रशासनिक व्यवस्था के अंतर्गत अक्तादारी व्यवस्था पर प्रकाश डालें ।

उत्तर–दिल्ली के तुर्क शासकों ने अपने अमीरों को विभिन्न आकार के इलाकों में नियुक्त किया । इन इलाकों को 'अक्ता' कहा जाता था और अक्ता के अधिकारी 'मुक्ती' या 'वली' कहे जाते थे । इनका दायित्व था कि अपने अक्ता क्षेत्र में कानून-व्यवस्था को बनाये रखेंगे । कभी आवश्यकता पड़ने पर सुल्तान को सैनिक मदद भी देंगे । इसके लिए घुड़सवार सिपाही रखने पड़ते थे । भूमि कर की वसूली भी 'वली' ही करते थे । वसूली का कुछ भाग अपने स्वयं रख लेने की छूट थी ताकि सैनिकों को वेतन दिया जा सके ।

प्रश्न 7. सल्तनत काल में लगान व्यवस्था का वर्णन करें और यह बतावें कि किसानों के जीवन पर इसका क्या प्रभाव था ?

उत्तर–सल्तनत काल में लगान व्यवस्था का अपना तरीका था । गाँव के बड़े और धनी किसान, जिन्हें खुत, मुक्कदम और चौधरी कहते थे राज्य की ओर से लगान वसूला करते थे । लगान अर्थात भूमिकर को खराज कहा जाता था । 'खराज' की मात्र भूमि पर उपजने वाले अनाज का एक हिस्सा होता था । खराज में वसूला गया अनाज सरकारी गोदामों में रखा जाता था । इस सेवा के बदले खुत, मुक्कदम और चौधरी को खराज का एक हिस्सा मिलता था । ये लोग छोटे किसानों को दबाते भी थे । बाद में अलाउद्दीन खिलजी ने इन ग्रामीणों को हटाकार लगान या खराज वसूलने का काम सरकारी अधिकारियों को सौंप दिया ।

प्रश्न 8. दिल्ली के सुल्तानों की प्रशासनिक व्यवस्था में कार्यरत अधिकारियों की सूची बनाएँ और उनके कार्यों का उल्लेख करें ।

उत्तर–दिल्ली के सुल्तानों की प्रशासनिक व्यवस्था में कार्यरत अधिकारियों की सूची और उनके नाम निम्नांकित थे ।

अधिकारी	काम
सूबेदार	सूबे का मुख्य अधिकारी
सेनापति	सेना पर नियंत्रण रखना
प्रशासक	प्रशासनिक कार्य को देखना
वजीर	वित्त विभाग का प्रधान
आरिजे ममालिक	सुल्तान की सेना का प्रधान
वकील-ए-दर	राजपरिवार की देखभाल करना
काजी	न्याय करना मुख्य (न्यायाधीश)
दीवान-ए-इंशा	राजकीय फरमान जारी करना
बरीद-ए-मुमालिक	गुप्त सूचना एकत्र करना (गुप्तचर)
मुक्ती या वली	आक्ता में शांति-व्यवस्था बनाये रखना
आमिल	वसूले गये राजस्व का हिसाब रखना

प्रश्न 9. सल्तनत काल में उपजाये जाने वाले अनाजों को खरीफ एवं रबी फसलों में बाँटकर समझाएँ ।

उत्तर—सल्तनत काल में उपजाये जाने वाले अनाजों को खरीफ एवं रबी फसल निम्नांकित थे :

खरीफ : धान, ज्वार, बाजरा, तिल, कपास ।

रबी : गेहूँ, जौ, उड़द, मूँग, मसूर ।

गन्ना और अरहर खरीफ और रबी दोनों में आते हैं, क्योंकि ये एक साल का समय ले लेते हैं । अंगूर स्थायी फसल है ।